INDIAN STREAMS RESEARCH JOURNAL
ISSN NO : 2230-7850
IMPACT FACTOR : 5.1651 (UIF)
VOLUME - 15 | ISSUE - 4 | MAY – 2025

जल संकट : एक चुनौती पूर्ण समस्या तहसील जैतपुर के संदर्भ में

डॉ. जियालाल राठौर
भूगोल विभाग, शासकीय महाविद्यालय जैतपुर, जिला-शहडोल, मध्यप्रदेश.

सारांश:-

आज भारत देश में जल संकट एक गंभीर और चुनौती पूर्ण समस्या है, जो तहसील जैतपुर में भी देखी जा रही है। जल संकट के कारणों में से एक है जल संचयन की कमी, जो वर्षा के पानी को संचयन करने में असमर्थता के कारण होती है। इसके अलावा, जल की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर भी जल संकट को बढ़ावा देता है। इस अध्ययन क्षेत्र में जैतपुर तहसील के सभी गांव में जल संकट की समस्या का कारण बाढ़, सुखा, भूमिगत जल स्तर कम जा रहा है, और इसके समाधान के लिए सुझाव दिए गए हैं ।

कूट शब्द – जल संकट, समस्या, चुनौतियां, सूखापन, कार्य सौन्दर्य ।

प्रस्तावना:-

जल नवीकरणीय संसाधन है जो पृथ्वी पर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है पृथ्वी का लगभग 71% धरातल पानी से अच्छादित है परंतु अलवणीयकुल जल केवल लगभग 3% ही है वास्तव में अलवणीय जल का एक बहुत छोटा भाग ही मानव उपयोग के लिए उपलब्ध है,जल संकट एक गंभीर समस्या है, जो भारत में विश्व के धरातलीय क्षेत्र का लगभग 2.45 % ,जल संसाधनों का 4%, जनसंख्या का लगभग 16% भाग पाया जाता है, धरातलीयजल के मुख्य चार स्रोत, नदियां, झीलें, तलैया और तालाब हैं दुनिया भर में देखी जा रही है। जल संकट के कारणों में से एक है जल संचयन की कमी, जो वर्षा के पानी को संचयन करने में असमर्थता के कारण होती है। इसके अलावा, जल की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर भी जल संकट को बढ़ावा देता है। जैतपुर तहसील में भी जल संकट की समस्या देखी जा रही है, जो किसानों और स्थानीय लोगों के लिए एक बड़ी चुनौती है।

"जल ही जीवन है,
जल है तो कल है"

अध्ययन क्षेत्र:-

अध्ययन क्षेत्र तहसील जैतपुर बुढ़ार विकासखण्ड अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य में स्थित है। यह शहडोल जिले में आती है। जैतपुर तहसील में लगभग 185 गाँव हैं, जिनमें से अधिकांश ग्रामीण अंचल में स्थित हैं । सभी गांवों जाकर प्राथमिक रूप से उन गांवों को चिन्हित किया है जहां सबसे ज्यादा पानी की समस्या है वहां के किसान वर्ग, मजदूर वर्ग, पशु-पक्षी, पालतू जानवर पानी के लिए त्रस्त हो रहे हैं जो की गांव से घरों की दूरी से 2 किलोमीटर दूरी पर तालाब, नदियां, कुआं धीरे-धीरे मार्च से जून महीने तक पानी किल्लत मचती हैं ।

"जल बचाओ, जीवन बचाओ"

अध्ययन उद्देश्य :-

1. तहसील जैतपुर के गांवो में जल संकट की समस्या का अध्ययन करना।
2. वर्षा जल संचयन काका अध्ययन करना।
3. जल की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर का अध्ययन करना।
4. जल संकट के प्रभावों से गांव में सूखा पड़ जाना।
5. जल संकट के समाधान के लिए सुझाव देना।

आंकड़ों का संकलन :-

शोध अध्ययन क्षेत्र के अंतर्गत सभी विषय अपने अध्ययन के तरीके या शैली के अनुसार आंकड़ों की जरूरत महसूस करते हैं अतः आंकड़ों के प्रकार भी कई तरीके से बनाए जाते हैं सामान्यत: शोध कार्यों में भौतिक, सांस्कृतिक ,आर्थिक, सामाजिक, वैयक्तिक तथ्यों का तुलनात्मक अध्ययन आंकड़ों के आधार पर करते हैं एवं शोध को आगे बढ़ाते हैं जिससे किसी निष्कर्ष तक पहुंचते हैं इन्हीं आंकड़ों के आधार पर ही वितरण, मानचित्र, रेखाचित्र, आरेख, आदि का निर्माण कर आंकड़ों को चित्र रूप में एकत्र सहज अनुभूति के अनुरूप बदल कर प्रस्तुत किया जाता है आंकड़ों को एकत्र करने की की प्रक्रिया एवं मौलिकता के आधार पर इसे दो भागों में बांटा जाता है।

प्राथमिक आंकड़े (Primary Data):-

प्राथमिक आंकड़े उसे कहे जाते हैं, जिन्हें शोधकर्ता स्वयं अपने अध्ययन क्षेत्र से जानकारी एकत्र कर अपने प्रयोग के लिए पहली बार प्रत्यक्ष रूप से प्राप्त करता है इसे प्राथमिक कहे जाने का अभिप्राय बस इतना ही है की प्रथम बार सामग्री को मूल स्रोतों से प्राप्त कियागया है, क्षेत्र में जाकर पूछताछ एवं अवलोकन क्रियो के आंकड़े द्वारा आंकड़े एकत्र किए जाते हैं क्षेत्र का तात्पर्य-गांव, शहर ,स्कूल, कॉलेज ,घर ,कक्षा में मौजूद लोगों से जानकारी प्राप्तकरलेना, क्षेत्रीय सूचना एकत्र करने की कई

विधियां है जिन्हें आवश्यकता के अनुसार शोधार्थी उनका उपयोग करता है, जहां जिस विधि को उपयोगी महसूस किया जाए उसी का उपयोग का सूचना एकत्र की जाती है यह शोध की प्रकृति,परिस्थिति, उद्देश्य,आर्थिक, साधन,समय आदि बातों पर निर्भर करता है प्राथमिक आंकड़ों के संग्रहण के तीन तरीके या साधन है-

1. अवलोकन या निरीक्षण (Observation)
2. साक्षात्कार (Interview)
3. जांच पत्र (Enquiry forms)
4. प्रश्नावली (Questionnaire)
5. अनुसूची (Schedule)

चयनित दस गांव में जाकर उनके मुख्य समस्या जल संकट को लेकर अपनी बात को बताने का प्रयास किया और यह माना जाता है कि जल समस्या बहुत गंभीर समस्या है क्योंकि जल ही जीवन है। आंकड़ों का संकलन करने के लिए सर्वेक्षण और साक्षात्कार की विधि का उपयोग किया गया है शोध अध्ययन के लिए जैतपुर तहसील केइन इन गांव का चयन किया गया, जहां जल संकट गंभीर रूप से पाया गया ।

द्वितीयक आंकड़े (Secondary Data):-

द्वितीय आंकड़े उसे कहा जाता है जिनका एक बार संकलन किया जा चुका हो जैसे- जनगणना पुस्तिका, सांख्यिकी पुस्तिका, पूर्व में सर्वेक्षित आंकड़े पुस्तकों में प्रकाशित, अप्रकाशित आंकड़े होते हैं।

सारणी क्रमांक 1.1

तहसील जैतपुर : जनसंख्या एवं जल स्रोतों का वितरण वर्ष- 2011

क्र.	गांव का नाम	जनसंख्या	कुआ	तालाब	नदी	ट्यूबवेल
1.	बलभद्रपुर	200	13	8	3	3
2.	देवरी	186	10	8	7	2
3.	बंधवा टोला	177	11	7	3	1
4.	खोहरी	146	12	6	2	2
5.	दुधारिया	121	11	7	5	3
6.	मोहारिया टोला	95	9	5	4	2
7.	लोहासूर	88	8	3	3	1
8.	भोड़ाकछार	92	7	4	4	1
9.	नवा टोला	43	7	5	3	1
10.	भद्रास	34	6	3	2	2
	योग	1182	94	56	36	16

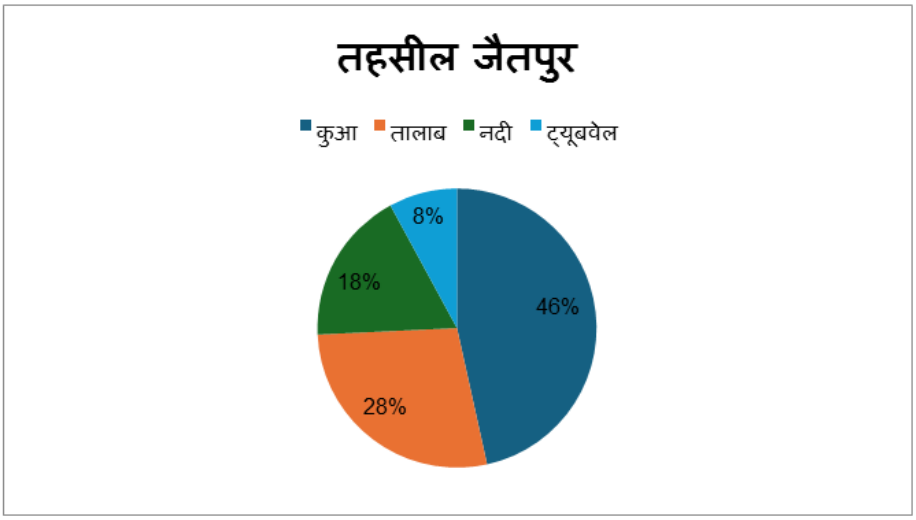

सारणी क्रमांक 1.1 से स्पष्ट है कि तहसील जैतपुर में कुल जनसंख्या एवं जल स्रोतों का वितरण वर्ष 2011 के अनुसार देखा गया कि गांव बलभद्रपुर में 200 जनसंख्या सर्वाधिक पाया गया और, गांव भद्रास में, 34 जनसंख्या सबसे कम पाई गई है इसी तरह अध्ययन क्षेत्र का कुल जनसंख्या 1182 व्यक्ति निवास कर रही है जिसमें जल स्रोतों का वितरण क्रमशः कुआं 94, तालाब, 56 नदी, 36 ट्यूबवेल, 16 है। अध्ययन क्षेत्र से प्राप्त किया गया है जो की स्वयं जाकर साक्षात्कार किया और स्वयं के द्वारा आंकड़ों का संकलन किया गया।

समस्या:-

ग्रामीण अंचल के आधिवास या मकान एक दूसरे से सटे होने के कारण वर्षा के जल को संग्रहित नहीं कर,तहसील में जल संकट की समस्या एक गंभीर मुद्दा है। जल संकट के कारणों में से एक है जल संचयन की कमी, जो वर्षा के पानी को पीने के सुरक्षित रखना । इसके अलावा, जल की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर भी जल संकट को बढ़ावा देता है सभी ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव से मिलकर प्राथमिक आंकड़े प्राप्त किया गया है जो की उनके द्वारा दी गई जानकारी सत्य है उनके द्वारा किए गए प्रयास पी.एच.ई विभाग मे जानकारी दी गई उनके समस्याओं का निराकरण किया गया तो भी पानी की समस्या बनी रही।

गांव में पानी की समास्या

सुझाव:-

तहसील जैतपुर में जल संकट के कारण वहां के लोगों का आर्थिक-सामाजिक, आदि समस्याओं से घिरे हुए हैं क्योंकि कृषि कर नहीं कर पा रहे हैंउनके पास रोजगार का अभाव है इस समस्या समाधान के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए जा सकते हैं:

1. जल संचयन की व्यवस्था करना ।
2. जल की मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को कम करना ।
3. जल संकट के प्रभावों को कम करने के लिए कदम उठाना ।
4. जल संकट के समाधान के लिए सरकारी योजनाओं का उपयोग करना ।

उपाय:-

तहसील जैतपुर में जल संकट के समाधान के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं ।

- ❖ जल की मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को कम करना जल की मांग को कम करने के लिए जल संचयन और जल प्रबंधन की व्यवस्था करना ।
- ❖ जल संकट के प्रभावों को कम करने के लिए कदम उठाना जल संकट के प्रभावों को कम करने के लिए कदम उठाना, जैसे कि जल संचयन की व्यवस्था करना, जल की मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को कम करना
- ❖ जल संकट के समाधान के लिए सरकारी योजनाओं का उपयोग करनाजल संकट के समाधान के लिए सरकारी योजनाओं का उपयोग करना, जैसे कि जल जीवन मिशन, जल संचयन योजना आदि ।
- ❖ जल संचयन के लिए जन जागरूकता अभियान चलानाजल संचयन के लिए जन जागरूकता अभियान चलाना, जिससे लोग जल संचयन के महत्व को समझ सकें ।
- ❖ जल संचयन के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करना जल संचयन के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करना, जैसे कि जल संचयन संरचनाओं का निर्माण, जल संचयन के लिए उपकरणों का उपयोग आदि।
- ❖ जल संचयन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करनाजल संचयन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना, जैसे कि जल संचयन संरचनाओं के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना ।
- ❖ जल संचयन के लिए नीतियों का विकास करना जल संचयन के लिए नीतियों का विकास करना, जैसे कि जल संचयन के लिए राज्य नीति बनाना, जल संचयन के लिए केंद्रीय नीति बनाना आदि ।

सरकार की योजनाएं :-

जैतपुर तहसील में जल संकट के समाधान के लिए सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं इन योजनाओं का उद्देश्य जल संकट की समस्या का समाधान करना और जल संचयन को बढ़ावा देना है। सरकार की कुछ प्रमुख योजनाएं निम्नलिखित हैं।

- ❖ जल जीवन मिशनयह योजना जल संचयन और जल प्रबंधन के लिए शुरू की गई है ।
- ❖ इसका उद्देश्य जल संचयन को बढ़ावा देना और जल संकट की समस्या का समाधान करना है ।

- ❖ जल संचयन योजनायह योजना जल संचयन के लिए शुरू की गई है। इसका उद्देश्य जल संचयन को बढ़ावा देना और जल संकट की समस्या का समाधान करना है ।
- ❖ राष्ट्रीय जल मिशनयह योजना जल संचयन और जल प्रबंधन के लिए शुरू की गई है। । इसका उद्देश्य जल संचयन को बढ़ावा देना और जल संकट की समस्या का समाधान करना है।
- ❖ जल संचयन और प्रबंधन योजना यह योजना जल संचयन और जल प्रबंधन के लिए शुरू की गई है। इसका उद्देश्य जल संचयन को बढ़ावा देना और जल संकट की समस्या का समाधान करना है।
- ❖ ग्रामीण जल आपूर्ति योजनायह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति के लिए शुरू की गई है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति को बढ़ावा देना और जल संकट की समस्या का समाधान करना है।
- ❖ जल संचयन और जल प्रबंधन के लिए वित्तीय सहायतासरकार जल संचयन और जल प्रबंधन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इसका उद्देश्य जल संचयन को बढ़ावा देना और जल संकट की समस्या का समाधान करना है।
- ❖ जल संचयन और जल प्रबंधन के लिए तकनीकी सहायता, सरकार जल संचयन और जल प्रबंधन के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करती है। इसका उद्देश्य जल संचयन को बढ़ावा देना और जल संकट की समस्या का समाधान करना है।इन योजनाओं के माध्यम से सरकार जल संचयन और जल प्रबंधन को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है।

निष्कर्ष :-

जैतपुर तहसील में जल संकट एक गंभीर समस्या है, जो किसानों और स्थानीय लोगों के लिए एक बड़ी चुनौती है। जल संकट के कारणों में से एक है जल संचयन की कमी, जो वर्षा के पानी को संचयन करने में असमर्थता के कारण होती है। इसके अलावा, जल की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर भी जल संकट को बढ़ावा देता है।

सरकार ने जल संकट के समाधान के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जैसे कि जल जीवन मिशन, जल संचयन योजना, राष्ट्रीय जल मिशन, जल संचयन और प्रबंधन योजना, ग्रामीण जल आपूर्ति योजना आदि। इन योजनाओं का उद्देश्य जल संचयन को बढ़ावा देना और जल संकट की समस्या का समाधान करना है।

जल संकट के समाधान के लिए कुछ सुझाव दिए जा सकते हैं, जैसे कि जल संचयन की व्यवस्था करना, जल की मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को कम करना, जल संकट के प्रभावों को कम करने के लिए कदम उठाना, जल संचयन के लिए जन जागरूकता अभियान चलाना, जल संचयन के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करना आदि।इस अध्ययन के परिणामों से यह निष्कर्ष निकलता है कि जल संकट एक गंभीर समस्या है, जो किसानों और स्थानीय लोगों के लिए एक बड़ी चुनौती है। जल संकट के समाधान के लिए सरकार, स्थानीय प्रशासन, और स्थानीय लोगों को मिलकर काम करने की आवश्यकता है। जल संचयन की व्यवस्था करना, जल की मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को कम करना, और जल संकट के प्रभावों को कम करने के लिए कदम, उठाना आवश्य है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. सिंह, रामेश्वर, जल संकट एक वैश्विक समस्या, रावत पब्लिकेशन पृष्ठ. 23-25
2. जिला सांख्यिकी पुस्तिका, शहडोल।

3. अनुविभागीय विभाग, राजस्व विभाग जैतपुर जिला शहडोल
4. जनपद पंचायत बुढार जिला शहडोल
5. जल संसाधन विभाग, शहडोल
6. डॉ. सुनील कुमार, जल संचयन और जल प्रबंधन के लिए तकनीकी सहायता-जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार
7. जल संकट के समाधान के लिए सरकारी योजनाएं, मंत्रालय, भारत सरकार